

Date: _____ Class: 6 Div: A/C/D Roll No: _____ Sub: Hindi 2L
Name: _____ Worksheet: Revision Worksheet No.2

आठ – 10. गिरिधर कि कुंडलियाँ

प्रश्न 1. संक्षेप में उत्तर लिखिए :

क. बीती सो बीती- कवि ऐसा क्यों कहते हैं?

उत्तर . कवि ऐसा इसलिए कहते हैं क्योंकि बीती बातें हमें निराश करती हैं। निराशा में जीने से सफलता नहीं मिलती है। अतः

जो बीत गया सो बीत गया।

ख. हँसनेवालों को कवि ने 'दुर्जन' क्यों कहा है?

उत्तर . हँसनेवालों को कवि ने दुर्जन कहा है क्योंकि इस प्रकार के लोग अन्य लोगों की कमियों/ असफलताओं पर खुश होते हैं। इनके पास अच्छे विचारों का प्रायः अभाव होता है।

ग. व्यक्ति को खान-पान, राग-रंग कब अच्छे नहीं लगते ?

उत्तर . जब किसी कारणवश कोई व्यक्ति किसी की हँसी का पात्र बन जाता है अर्थात् लोग उसकी निंदा करते हैं तो उस स्थिति में व्यक्ति को खान-पान, राग-रंग अच्छे नहीं लगते।

प्रश्न 2. विस्तार से उत्तर लिखिए :

क. आपको कौन-सी कुंडली अच्छी लगी और क्यों ?

उत्तर . कवि गिरिधर की सभी कुंडलियाँ जीवन की कसौटी पर खरी उतरती हैं। आज भी इनकी प्रासंगिकता और महत्ता अक्षुण्य है। हमें तीसरी कुंडली अच्छी लगी क्योंकि इसमें यह संदेश दिया गया है कि हमें कोई भी कार्य बिना सोचे-समझे नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से हमारा चित्त भी उदास होता है साथ ही जग में हँसाई भी होती है।

ख. बीती बातों को सोचते रहने से क्या-क्या हानियों हो सकती हैं?

उत्तर . बीती बातों को सोचते रहने से निम्नलिखित हानियाँ हो सकती हैं-

I. जीवन में निराशा घेर लेती है।

II. कुछ नया करने के विचार नहीं आते हैं।

III. इच्छाशक्ति कमजोर हो जाती है।

IV. मन अस्थिर हो जाता है।

ग. हमारे मन में क्या बात खटकती रहती है? क्यों?

उत्तर . बिना विचारे किए काम का दुख हमारे मन में सदैव ही खटकता रहता है। अगर काम करने से पहले सोच-विचार लिया होता तो जग हँसाई की नौबत नहीं आती- ये सभी बातें मन को उदास किए रहती हैं।